संपादकीय

सांसों पर संकट

यह नयी बात नहीं है। हर साल अक्त ूबर के मध्य से नवंबर तक राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली समेत देश के अन्य भागों में हवा की गुणवत्ता बेहद खराब होने लगती है। दलील दी जाती है कि हरियाणा, पंजाब, राजस्थान व उ.प्र. के किसान खेतों में धान की फसल के अवशेष जलाते हैं। नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल ने खेतों में पराली जलाने को अपराध घोषित किया है और जुर्माने का प्रावधान भी है। फिर भी पंजाब में इस बार भी खेतों में पराली जलाने के प्रतिशत में वृद्धि हुई है। बहरहाल, समस्या जटिल है, आम आदमी के लिये भी और सांस की बीमारियों से जूझ रहे लोगों के लिये तो यह मौसम काल बन कर आता है। भारत में वायु प्रदूषण से मरने वाले लाखों लोगों का आंकड़ा विश्व में ऊंचा है। मगर सिर्फ किसान ही इसके लिये दोषी नहीं है। आईआईटी कानपुर की शोध में खुलासा हुआ है कि अक्त ूबर मध्य से नवंबर मध्य तक होने वाले वायु प्रदूषण में खेतों में पराली जलाने का हिस्सा सिर्फ 25 फीसदी है। तो साफ है कि बहुत कुछ ऐसा है जो प्रदूषण को जहरीले स्तर तक ले जाता है। समस्या यह भी है कि सरकारें समस्या की गंभीरता को नहीं समझ रही हैं। टुकड़ों-टुकड़ों में उपाय किये जा रहे हैं। आग लगने पर कुआं खोदने की प्रवृत्ति सरकारों की बनी हुई है। दिल्ली सरकार वाहनों का प्रदूषण रोकने के लिये ऑड व ईवन योजना को अमल में लाने की योजना बना ही रही थी कि जानलेवा हवा ने दस्तक दे दी। नि:संदेह इस मौसम में हवा का वेग भी कम होता है। इसी बीच दीपावली के त्योहार में होने वाली आतिशबाजी भी समस्या की जटिलता को बढ़ा देती है। जहां तक किसानों द्वारा पराली जलाने का सवाल है तो हम किसानों को दंड का भय तो दिखा रहे हैं, मगर कारगर विकल्प देने में विफल रहे हैं। दरअसल, ऐसे वक्त में जबकि खेती लगातार घाटे का सौदा साबित हो रही है, किसान पराली जलाने में पैसा लगाने की स्थिति में नहीं है। पंजाब व हरियाणा में मजदूरी की लागत बढ़ने से किसान खेत में ही फसल के अवशेष जलाने में फायदा महसूस करता है। वहीं मनरेगा के क्रियान्वयन के बाद बिहार व अन्य राज्यों से आने वाले श्रमिक कम हुए हैं। पराली के निस्तारण के जो विकल्प दिये जा रहे हैं, वे किसान की पहुंच में नहीं हैं। उसे उनमें फायदा नजर नहीं आता। किसान को रचनात्मक उपायों से समझाना होगा कि फायदा किसमें है। हमें यह भी समझना होगा कि किसान को रबी की फसल बोने की तैयारी करनी होती है। अत: वह तुरत-फुरत पुआल को जलाना ही फायदेमंद समझता है। गेहूं और धान की फसल के लिये बढ़ते न्यूनतम समर्थन मूल्य के चलते किसान ने दलहन-तिलहन से किनारा कर लिया है। किसान को फसलचक्र में बदलाव के लिये भी प्रेरित करने की जरूरत है। साथ ही समस्या के विभिन्न पहलुओं पर गंभीरता से विचार करने की जरूरत है। यदि ऐसा न किया गया तो अक्त ूबर-नवंबर में आसमान में छाने वाला प्रदूषण निरंतर बढ़ता ही रहेगा। राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण को भी इस जटिल समस्या के समाधान के लिये कारगर योजना सामने लानी होगी।

22 अक्टूबर को हड़ताल पर अड़े बैंक कर्मचारी, देशभर में प्रभावित होंगी सेवाएं

हैदराबाद (आरएनएस)। अखिल भारतीय बैंक कर्मचारी संघ (एआईबीईए) और भारतीय बैंक कर्मचारी महासंघ (बीईएफआई) ने शनिवार को भारतीय बैंक संघ (आईबीए) को सूचित किया कि 22 अक्टूबर को राष्ट्रीय स्तर पर प्रस्तावित बैंक कर्मचारियों की हड़ताल पर पुनर्विचार करना संभव नहीं है। एआईबीईए के महासचिव सीएच वेंकटचलम और बीईएफआई के महासचिव देबाशिष बासु ने आईबीए के मुख्य कार्यकारी अधिकारी वी जी कन्नन को इस संबंध में संयुक्त रूप से लिखे एक पत्र में कहा है कि उपभोक्ता सेवाओं को लेकर आईबीए की

चिंताओं और हड़ताल पर नहीं जाने की अपील की वे सराहना करते हैं लेकिन जब केन्द्र सरकार उनके द्वारा उठाए गए मुद्दों के समाधान के लिए कोई प्रयास नहीं कर रही है ऐसे में हड़ताल पर नहीं जाने की अपील पर पुनर्विचार करना संभव नहीं है।

उन्होंने लिखा है कि 15 अक्टूबर का आईबीए का खत मिला है जो बैंक कर्मचारियों की हड़ताल को लेकर गत 19 सितंबर को दिये गये नोटिस के प्रति उत्तर के रूप में आया है। उन्होंने कहा कि आईबीए द्वारा हड़ताल के नोटिस को संज्ञान में लेने की वे सराहना करते हैं लेकिन पहले जिस तरह से आईबीए उनके हड़ताल की नोटिस पर गौर नहीं करता था इस बार उसी तरह से वे आईबीए की अपील की अनेदखी कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि बैंकों के विलय को रोकने, बैंकिंग सुधार स्थगित करने, जोखिम में फंसे ऋण की वसूली सुनिश्चित करने, जान बूझकर ऋण नहीं चुकाने वालों के विरूद्ध कठोर कार्रवाई करने, ग्राहकों को दंडित नहीं करने, सेवा शुल्कों में बढोतरी नहीं करने, जमा पर ब्याज दरों में बढोतरी करने , रोजगार की सुरक्षा और सभी बैंकों में पर्याप्त भर्ती सुनिश्चित करने की मांग को लेकर हड़ताल पर जाने का नोटिस दिया गया है।

दोनों श्रमिक नेताओं ने कहा कि हड़ताल के कारण ग्राहक सेवाओं के प्रभावित होने की चिंता उनको भी है और इसी को ध्यान में रखते हुये एक महीने से अधिक समय पहले हड़ताल का नोटिस दिया गया लेकिन उनके द्वारा उठाये गये मुद्दों पर वित्त मंत्रालय कोई समाधान करने के मूड में नहीं दिख रहा है।

एयर इंडिया के लिये अगले महीन बोलियां मंगा सकती है सरकार

नईदिल्ली (आरएनएस)। सरकार एयर इंडिया की 100 प्रतिशत हिस्सेदारी बेचने के लिये अगले महीने प्रारंभिक बोलियां मंगाने की योजना बना रही है। कुछ निकाय पहले ही एयर इंडिया में दिलचस्पी दिखा चुके हैं। सूत्रों ने यह जानकारी दी है। कंपनी के ऊपर करीब 58 हजार करोड़ रुपये का कर्ज बकाया है। सूत्रों ने कहा कि कुछ निकाय पहले ही एयर इंडिया को खरीदने में दिलचस्पी दिखा चुके हैं। उन्होंने कहा कि बोली मंगाने के दस्तावेज को अंतिम रूप दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस महीने के अंत में या अगले महीने

बोलियां मंगायी जा सकती हैं। इसकी निविदा हाल ही में विकसित ई-निविदा प्रणाली से की जाएगी। नागर विमानन सचिव प्रदीप सिंह खरोला ने कंपनी के निदेशक मंडल की बैठक से पहले एक समीक्षा बैठक की थी। निदेशक मंडल की बैठक 22 अक्टूबर का होने वाली है। इस एयरलाइन के कर्मचारियों की यूनियनें विनिवेश के प्रस्ताव का विरोध कर रही है। उन्हें नौकरी जाने का डर है।

एसबीआई 466 करोड़ रुपये की वसूली को 11 खातों की ई-नीलामी करेगा

नईदिल्ली (आरएनएस)। भारतीय स्टेट बैंक 466.49 करोड़ रुपये की वसूली को सात नवंबर को 11 ऋण खातों की ई-नीलामी करेगा। नीलामी के लिए जारी नोटिस में कहा गया है कि नियामीय दिशानिर्देशों के तहत बैंक की संशोधित नीति के अनुसार 11 ऋण खातों को संपत्ति पुनर्गठन कंपनियों (एआरसी)-बैंकों-गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) और वित्तीय संस्थानों को बिक्री के लिए रखा जाएगा। बैंक ने

कहा कि इन वित्तीय संपत्तियों को 12 अक्टूबर को दिखाया गया और नीलामी सात नवंबर को होगी। जिन प्रमुख गैर निष्पादित आस्तियों (एनपीए) वाले खातों की नीलामी की जानी है उनमें भाटिया ग्लोबल ट्रेडिंग (बीजीटीएल) शामिल है।

धनतेरस से पहले महँगा हुआ सोना

नईदिल्ली (आरएनएस)। विदेशों में सोने-चाँदी में मामूली बदलाव के बीच स्थानीय बाजार में धनतेरस से पहले सोने-चाँदी में तेजी लौट आई है।

दिल्ली सर्राफा बाजार में बीते सप्ताह सोना 530 रुपये महँगा होकर 39,670 रुपये प्रति दस ग्राम पर पहुँच गया जो डेढ़ सप्ताह के उच्चतम स्तर के काफी करीब है। पिछले साल धनतेरस की तुलना में इस साल धनतेरस में सोना 21.35 फीसदी महँगा हो चुका है। यह 05 नवंबर 2018 को धनतेरस के दिन 32,690 रुपये प्रति दस ग्राम पर रहा था। करीब एक साल में इसकी कीमत 6,980 रुपये बढ़ चुकी है।

गत सप्ताह चाँदी भी 360 रुपये चढ़कर 47,000 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुँच गयी। पिछले साल धनतेरस से अब तक इसकी कीमत 7,460 रुपये यानी 18.87 फीसदी बढ़ चुकी है। गत वर्ष 05 नवंबर को यह 39,540 रुपये प्रति किलोग्राम रही थी। चाँदी के सिक्के भी पिछले धनतेरस की तुलना में 21 फीसदी से ज्यादा महँगे हो चुके हैं।

लंदन एवं न्यूयॉर्क से प्राप्त जानकारी के अनुसार, गत सप्ताह सोना हाजिर 1.75 डॉलर की बढ़त में 1,490.40 डॉलर प्रति औंस पर पहुँच गया। दिसंबर का अमेरिकी सोना वायदा 0.10 डॉलर की मामूली गिरावट में सप्ताहांत पर 1,493.40 डॉलर प्रति औंस बोला गया। चाँदी हाजिर भी 0.01 डॉलर फिसलकर 17.52 डॉलर प्रति औंस पर बंद हुई।

एचडीएफसी की वेबसाइट अब छह भारतीय भाषाओं में भी उपलब्ध

मुंबई (आरएनएस)। आवास रिण का कारोबार करने वाली कंपनी एचडीएफसी लिमिटेड ने रविवार को कहा कि उसने अपनी वेबसाइट को अंग्रेजी के अतिरिक्त छह भारतीय भाषाओं में भी उपलब्ध कराया है। घर खरीदारों को आवास ऋण से संबंधित जानकारियां आसानी से उपलब्ध कराने के लिये यह किया गया है। कंपनी ने एक बयान में कहा कि उसकी वेबसाइट अब अंग्रेजी के

साथ ही हिंदी, मराठी, तमिल, तेलुगु, मलयालम और कन्नड़ में भी उपलब्ध है। उसने कहा कि वह वित्तीय क्षेत्र की अकेली कंपनी है जिसकी वेबसाइट छह भारतीय भाषाओं में उपलब्ध है। उसने कहा कि इंटरनेट और स्मार्टफोन के बढ़ते इस्तेमाल तथा क्षेत्रीय भाषाओं के उपयोक्ताओं की विशेषकर छोटे शहरों में बढ़ती संख्या ने संबंधित सूचनाएं क्षेत्रीय भाषाओं में भी उपलब्ध कराना महत्वपूर्ण बना दिया है।

बाला में टिकटॉक स्टार के किरदार में नजर आएंगी यामी गौतम

बॉलीवुड एक्ट्रेस यामी गौतम जल्दी ही फिल्म बाला में एक बार फिर से आयुष्मान खुराना के साथ स्क्रीन स्पेस शेयर करती नजर आ रही हैं. इस फिल्म में यामी गौतम टिकटॉक स्टार की भूमिका निभाती नजर आएंगी. अपने किरदार की तैयारियों को लेकर उनका मानना है कि वीडियो शेयरिंग एप ने किरदार की तैयारी करने में उनकी काफी मदद की. किरदार की तैयारी करने के लिए यामी ने टिकटॉक पर अपना निजी अकाउंट बनाया था. इस बारे में अभिनेत्री ने कहा, मेरे लिए यह मायने रखता है कि लोग आएंगे फिल्म में मेरा अभिनय देखेंगे न कि मैं कैसी इंसान हूं वो ये देखने आएंगे. मैंने किरदार के हर हाव-भाव में ढलने के लिए अपनी जी जान लगा दी है, ताकि लोग मेरे किरदार के प्रति आर्कषक हों. मैं

नजाकत से लेकर छोटे शहर के लोगों के व्यवहार की हर बारीकी पर पकड़ बनाना चाहती थी.

अभिनेत्री ने आगे कहा, टिकटॉक वीडियो को देख कर मुझे किरदार पर काम करने में बहुत मदद मिली. वहीं, फिल्म के बारे में बात करते हुए आयुष्मान ने कहा, बेहतरीन कंटेंट के दौर में बाला की कहानी बाकी फिल्मों से अलग है और उम्मीद है कि फिल्म देश में सभी का मनोरंजन करेगी. यह मेरी सर्वश्रेष्ठ फिल्मों में से एक है और मुझे गर्व है कि बाला मेरी फिल्मोग्राफी का हिस्सा है.

राधिका ने शादी में पहनी थी फटी-पुरानी साड़ी

ऐक्ट्रेस राधिका आप्टे ने फिल्म इंडस्ट्री में अपने करियर की शुरुआत फिल्म वाह! लाइफ तो ऐसी में एक छोटे से किरदार की थी। इसके बाद फिल्म शोर इन द सिटी से उन्हें एक अलग पहचान मिली। अपनी खूबसूरती और शानदार अंदाज के लिए जाने जानी वाली राधिका आप्टे की एक और खासियत है। जिसका उन्होंने हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान खुलासा किया। उन्होंने बताया कि वह फैंसी कपड़ों पर पैसे खर्च करना पसंद नहीं करतीं। यही वजह है कि उन्होंने अपनी शादी में भी अपनी दादी की पुरानी साड़ी पहनी थी।

हाल ही में दिए गए एक इंटरव्यू में राधिका आप्टे ने अपनी शादी को लेकर कुछ बातें कीं। इसी दौरान उन्होंने यह भी बताया कि अपनी शादी में दादी मां की पुरानी मराठी साड़ी पहनी थी। जिसमें कई सारे छेद भी थे। यानि कि वह कई जगहों पर फटी हुई थी। लेकिन वह अपनी दादी मां से इतना प्यार करती हैं कि इस खास मौके पर उन्होंने वही साड़ी पहनी।

राधिका ने आगे कहा कि वह उन लोगों में से कतई नहीं हैं जो फैंसी

कपड़ों पर खूब सारा पैसे खर्च करते हैं। राधिका ने बताया कि उन्होंने अपने रिसेप्शन के लिए एक ड्रेस जरूर खरीदी थी। रिपोर्ट्स की मानें तो राधिका की रिसेप्शन पार्टी की ड्रेस की कीमत 10 हजार रुपये से ज्यादा नहीं थी।

अनुभव सिन्हा संग काम करना श्राप जैसा: तापसी

अनुभव सिन्हा की फिल्म थप्पड़ की शूटिंग एक महीने में पूरी हे गई है। रविवार को फिल्म की शूटिंग पूरी हुई जिसके बाद पूरी टीम काफी भावुक हो गई। तापसी पन्नू ने भी सोशल मीडिया पर एक नोट लिखकर शूटिंग पूरी होने की जानकारी दी है। साथ ही उन्होंने अनुभव सिन्हा के साथ अपने बॉन्ड के बारे में भी बातें की हैं। बता दें कि तापसी और अनुभव इससे पहले फिल्म मुल्क में साथ काम कर चुके हैं। तापसी ने फिल्म के सेट की एक तस्वीर शेयर करते हुए कैप्शन लिखा, फाइनल पैकअप। 31 दिन तूफान से भी तेज गुजर गए लेकिन उसका असर भी उतना ही रहा। मैं अपनी किस्मत को धन्यवाद देती हूं कि मुझे ऐसे डायरेक्टर के साथ काम करने को मिला।

आलू और गुलाब का हलवा बनाने की विधि

सामग्रीः

आलू- 2 बड़े उबले हुए, देसी घी- 2 बड़ा चम्मच, चीनी- 1 कप, खोया- 150 ग्राम, दूध- 1 कप, गुलकंद- 1 बड़ा चम्मच, गुलाब जल- 10 मिलीलीटर, इलाइची पाउडर- द छोटा चम्मच, बादाम- 10 ग्राम उबले हुए और 5 ग्राम बारीक कटे हुए, पिस्ता- 5 ग्राम उबले हुए और 5 ग्राम बारीक कटे हुए, गुलाब की पंखुड़ियां- 2 बड़ा चम्मच

हलवा बनाने की विधिः

आलू को अच्छे से धोकर उसे उबाल लें. इसके बाद उबले हुए आलुओं को कद्दूकस करें और एक तरफ रख दें. अब एक नॉनस्टिक पैन लें. इस पैन में देसी घी डालें. अब इसमें कसे हुए आलू डालें और उसे अच्छी तरह से भूनें. ध्यान रखें भूनते वक्त उसे चलाते रहें. इसके बाद जब आलू अच्छी तरह भुन जाए तो उसमें

चीनी डालें. चीनी डालकर कर आलू को फिर से भूनें. फिर इसमें कसा हुआ खोया डालें और सामग्री को आपस में अच्छे से मिक्स करें. 2 मिनट तक भूनें फिर इसमें दूध डालें. अब दूध को सूखने दें. फिर इसमें गुलकंद डालें और सूखी गुलाब की पंखुड़ियां डालें. इसके बाद उपर से गुलाब जल डालें. फिर बादाम, पिस्ता और इलाइची पाउडर डाल कर अच्छी तरह से मिक्स कर लें. सबसे आखिर में आप गुलाब की सूखी पंखुड़ियां, चांदी का वर्क, पिस्ता और बादाम डाल कर हलवे को गार्निश करें और गरमागरम सर्व करें.

शब्द सामर्थ्य- 21

बाएं से दाएं :
1. पानी, नीर, अंबु 2. आना-जाना, आवागमन 5. बहुत, बढ़िया 6. दूर रहने वाला (घटना) जो वर्तमान में न घट सके 8. अबोध, नासमझ, अनाड़ी 10. सब्जी, शाक 11. निशान, उद्देश्य, अनुमान योग्य वस्तु 12. नाखून 13. द्रव पदार्थ 15. सूनसान, जनविहीन स्थान 16. चटकीला, चमकीला, चटपटा, गौरिया 18. भगवान, खुदा 19. इन दिनों, वर्तमान दिनों में 20. अग्नि, पावक 21. अन्नकण, अनाज का टुकड़ा 22. टालमटोल, बहाने बाजी 24. भैया की पत्नी 25. पांच से छोटी एक विषम संख्या 26. हत्या, कत्ल.

ऊपर से नीचे
1. दुनिया, संसार, ठोस रूप में परिवर्तित करना 2. चमक, पानी 3. बाजीगर, जादू का खेल दिखाने वाला 4. एक पंजाबी प्रेमगीत, रांझा की प्रेमिका 5. मार-काट, खून-कत्ल 7. भूमि, जमीन, भू-भाग 9. बहुत बड़ा दानी, 10. संगीत के सुरों की संख्या 14. लचीला, लोचयुक्त 17. खिसकना, अपने स्थान से हटना, विचलित होना 19. प्रवेश करना, पधारना, आना 20. धूप-दीप से पूजा 22. इसी समय 23. गुस्सा, कहर.

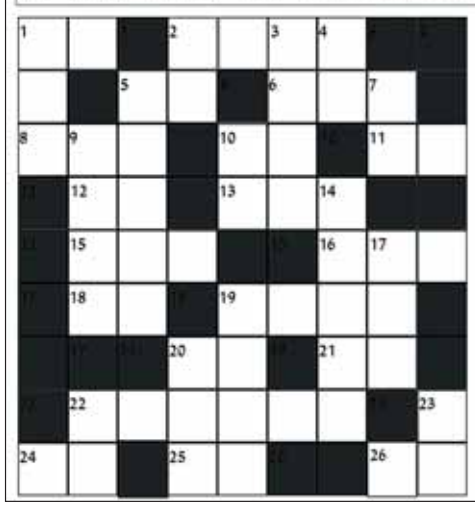

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 20 का हल

स्वा	द	■	सा	म	ना	■	कै	दी
व	■	ख	ल	ना	य	क	■	वा
लं	प	ट	■	ना	क	क	ट	ना
बी	■	प	■	■	■	ड़ी	■	प
■	अ	ट	प	टा	■	■	शा	न
स	ह	■	यो	■	■	र	ति	■
ह	म	■	द	र	ब	द	र	■
म	क	र	■	सी	ल	■	■	■
त	■	क्षा	■	द	वा	खा	ना	■

सू-दोकू- 21

	1			4			7	
		6	9		2			1
	7			6		8		2
1							8	
	8			5		2		3
3		2			4		1	
	3		2			4		
		8		1	6			7
9			4				2	

नियम
1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र 20 का हल

3	9	6	8	2	5	4	7	1
8	2	5	1	7	4	6	3	9
7	1	4	6	9	3	8	2	5
1	8	9	3	6	7	2	5	4
2	6	7	5	4	8	1	9	3
5	4	3	9	1	2	7	8	6
6	7	2	4	3	9	5	1	8
9	5	1	7	8	6	3	4	2
4	3	8	2	5	1	9	6	7

आज का राशिफल

मेषः- आज आपकी राशि पर तृतीय भाव में चन्द्रमा तथा नवम भाव में शनि भी आ जाएगा, फलस्वरूप आज आपको आपके कार्यक्षेत्र या दफ्तर में कुछ नए अधिकार दिए जा सकते हैं।

वृषभः- आपकी राशि का स्वामी शुक्र उच्चाभिलाषी है। षष्ठम भाव में बैठकर द्वादश को संपूर्ण शुभ दृष्टि से देख रहा है। शुक्र सांसारिक सुख भोगों का प्रतिनिधि है, अतः आवश्यक सामान की खरीदारी में शाम तक का समय व्यतीत होगा।

मिथुनः- प्रथम भाव में चन्द्रमा और राशि से प्रथम भाव में मिथुन राशि का राहु आज आपको राज्य से सम्मान और सामाजिक प्रतिष्ठा से अभिभूत करेगा।

कर्कः- आपकी राशि पर वृश्चिक का बृहस्पति तथा द्वादश भाव में चन्द्रमा उत्तम संपत्ति और बहुत दिनों से रुके धन की प्राप्ति कराएगा। नए संबंधों में स्थायित्व बनेगा।

सिंहः- आज आप अपने निकटवर्ती व अन्य लोगों की भावनाओं को पहचानें और उनके अनुसार चलने का प्रयास करें तो आपको आत्मसंतोष होगा। कभी कभार दूसरों की बात सुनने में कोई परेशानी नहीं है।

कन्याः- चंद्रमा आज दशम भाव में इष्ट मित्रों से निर्मूल विवाद तथा व्यर्थकारक है। अतः- अपने आस-पास खुशनुमा माहौल बनाने का प्रयास करें।

तुलाः- आज का दिन आपके लिए महान पुरुषों से मेल-जोल कारक है। अकस्मात अकल्पित उलटफेर में आपको लाभ मिल सकता है।

वृश्चिकः- आज का दिन आपके लिए खुशियों से भरा रहेगा। बिजनस के सिलसिले में किसी की सलाह लेने की आवश्यकता पड़ सकती है। दिन के दूसरे भाग में महिला मित्रों के साथ समय व्यतीत होगा।

धनुः- आज का दिन मिश्रित फलकारक है। आप अपनी पुरानी देनदारियों से मुक्त हो सकते हैं। कार्यक्षेत्र में भी आपके सुझावों का स्वागत होगा। कुछ आवश्यक घरेलू सामान की खरीदारी करनी पड़ सकती है।

मकरः- आज आपकी राशि से षष्ठम का चन्द्रमा पास व दूर की यात्रा तथा राज्य विजय कारक है। कोई पुराना मित्र या रिश्तेदार अचानक आपके सामने आकर खड़ा हो सकता है।

कुंभः- राशि का स्वामी शनि दशम कर्म केंद्र में राजनीतिक क्षेत्र में सफलता कारक है, सक्रिय राजनीति में भाग लेने का योग बन रहा है।

मीनः- राशि का स्वामी देवगुरु पिछले कई दिनों से वृश्चिक राशि का होकर अष्टम भाव में चल रहा है। चन्द्रमा भी आज चतुर्थ घर में उत्तम संपत्ति प्रदान करेगा। खोया हुआ धन या रुका हुआ पैसा मिल जायेगा।